राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 30 | जौनपुर | शुक्रवार, 12 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन का पहला संस्कार : सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करना सनातन धर्म का पहला संस्कार है। भारतीय मनीषा के ज्ञान दर्शन में इस बात को प्रतिष्ठित किया गया है कि जीवन में हमारे, समाज और राष्ट्र के प्रति जिस किसी ने योगदान दिया हो उसके प्रति कृतज्ञता का भाव होना ही चाहिए। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन गुरुवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने रामायणकाल में हनुमानजी और

मैनाक पर्वत के बीच हुए संवाद के मुख्य उद्धरण 'कृते च कर्तव्यम एषः धर्म सनातनः' को समझाते हुए कहा कि यह भाव सनातन से ही मिलता है। सनातन की परंपरा में पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करने के लिए आश्विन माह का पूरा कृष्ण पक्ष ही समर्पित किया गया है। गोरक्षपीठ में ब्रह्मलीन पूज्य महंतद्वय की पुण्य स्मृति में साप्ताहिक आयोजन भी कृतज्ञता ज्ञापन का ही आयाम है। सनातन और भारत के हित में हर मुद्दे पर आजीवन प्रतिबद्ध रहे गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय रू सीएम योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय समाज, राष्ट्र और लोक जीवन से जुड़े हर मुद्दे पर सनातन धर्म और भारत के हितों के प्रति प्रतिबद्ध रहे। महंत दिग्विजयनाथ जी ने सनातन धर्म, शिक्षा, सेवा और राष्ट्रीयता के जिन मूल्यों और आदर्शों को स्थापित किया, उन्हें महंत अवेद्यनाथ जी ने आत्मसात कर आगे बढ़ाया। इन मूल्यों और आदर्शों के लिए, देश और धर्म के लिए महंतद्वय आजीवन समर्पित रहे। दोनों ने सदैव देश और धर्म को प्राथमिकता दी। गोरक्षपीठ आज भी उनके बताए मार्ग का अनुसरण कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सशक्त राष्ट्र की बुनियाद मानते थे महंतद्वय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभ्य समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला माना। महंत दिग्विजयनाथ जी ने इसी ध्येय से देश की गुलामी के कालखंड में ही 1932 में महाराणा प्रताप जैसे वीर योद्धा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी।

अमित शाह ने पांच और एयरपोर्ट पर शुरू किया फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने यात्रियों के लिए हवाई सफर को और आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन– ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई–टीटीपी) को देश के पांच और हवाई अड्डों पर शुरू किया। इस योजना के तहत भारतीय नागरिकों और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्डधारकों को इमीग्रेशन प्रक्रिया में लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा और वे ई–गेट से जल्दी क्लियरेंस पा सकेंगे। यह योजना सबसे पहले जुलाई 2024 में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से शुरू हुई थी। इसके बाद दो महीने में इसे मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू, हैदराबाद, कोचीन और अहमदाबाद में लागू किया गया। अब इस सुविधा को लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, कोझिकोड और अमृतसर एयरपोर्ट पर भी लागू कर दिया गया है। गृहमंत्री शाह ने वर्चुअल कार्यक्रम के दौरान कहा कि फास्ट ट्रैक इमीग्रेशन से यात्रियों को तेजी, सुरक्षा और बिना परेशानी के अंतरराष्ट्रीय सफर का अनुभव मिलेगा। अभी तक तीन लाख लोगों ने इस योजना के लिए पंजीकरण कराया है, जिनमें से करीब 2.65 लाख यात्रियों ने इस सुविधा का लाभ भी उठाया है। योजना के तहत यात्री ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें पासपोर्ट की न्यूनतम वैधता छह महीने होनी चाहिए। आवेदन स्वीकृत होने के बाद यात्री को बायोमेट्रिक विवरण (फिंगरप्रिंट और चेहरे की तस्वीर) नजदीकी विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) जाना होगा।

संक्षिप्त खबरें

मराठा आरक्षण पर संग्राम, सरकार के कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती

मुंबई , (संवाददाता)। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के आरक्षण के मामले में राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज हो गई है। इसी सिलसिले में चर्चा ज्यादा तेज तब हो गई जब राज्य सरकार की तरफ से मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ दो नई याचिकाएं दायर की गई हैं। साथ ही एक पुरानी याचिका में भी बदलाव कर इसे चुनौती देने की अनुमति मांगी गई है। मामले में याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि यह निर्णय असंवैधानिक, मनमाना और कानून के खिलाफ है। याचिकाओं में कहा गया है कि यह फैसला केवल राजनीतिक लाभ के लिए लिया गया है ताकि मराठा समुदाय को खुश किया जा सके। इतना ही नहीं एक याचिका में कहा गया है कि सरकार खुद ही इस मुद्दे पर बार–बार अपने रुख में बदलाव कर रही है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार ने मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र देने के फैसले को लेकर कहा था कि इस फैसले से उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंकद की पीठ करेगी। हालांकि इससे पहले ओबीसी वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष याचिकाकर्ता मनोज ससाने ने पहले भी मराठाओं को ओबीसी में शामिल करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। आसे में अब उन्होंने अपनी याचिका में संशोधन कर हालिया सरकारी फैसले को भी चुनौती देने की अनुमति मांगी है। कोर्ट ने उन्हें इसके लिए आवेदन दाखिल करने को कहा है।इसके साथ ही वकील विनीत विनोद धोत्रे द्वारा दायर एक जनहित याचिका में कहा गया है कि सरकार ने मराठा समुदाय को ओबीसी का दर्जा देकर असली ओबीसी वर्गों के हक को नुकसान पहुंचाया है। इतना ही नहीं एक अन्य याचिका शिव अखिल भारतीय वीरशैव युवक संगठन नामक ट्रस्ट ने दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि कई आयोगों की रिपोर्टें पहले ही यह बता चुकी हैं कि मराठा और कुनबी एक ही नहीं हैं।

एक दिन पहले सड़क पर विरोध करने वाले यूपी के मंत्री भी पहुंचे : राहुल गांधी

रायबरेली, (संवाददाता)। रायबरेली के ऊंचाहार में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात करने के बाद सांसद राहुल गांधी दिशा की बैठक में

पहुंचे। जिस तरह से राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बुधवार को सांसद के खिलाफ प्रदर्शन किया था, उससे बैठक में गहमागहमी होने की संभावना है। हालांकि, बैठक में राज्यमंत्री भी पहुंचे और सांसद राहुल के पास ही उनकी भी कुर्सी लगाई गई थी। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने राहुल गांधी के रायबरेली आगमन पर विरोध प्रदर्शन किया था और धरना देते हुए सड़क पर बैठ गए थे। इसके बाद बुधवार शाम को प्रेस कांफ्रेंस कर राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि राहुल दगे हुए बम हैं। सांसद प्रशासनिक अधिकारियों से पूर्व की बैठक के कार्यों की पूर्ति के साथ जिला अस्पताल में आईसीयू शुरू न होने पर भी सवाल कर सकते हैं। अपने दौरे में राहुल गांधी ने पंचायत चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरा है। वोट चोर गद्दी छोड़ के मुद्दे को भी सांसद ने रायबरेली में उछाला है। उनका कहना है कि इस मुद्दे को आने वाले दिनों में कई चरणों में लोगों के सामने रखा जाएगा। लोगों को सच्चाई मालूम चलेगी। ऊंचाहार विधायक डा मनोज कुमार पाण्डेय ने दिशा की बैठक का बहिष्कार किया।

पीएम मोदी के संभावित मणिपुर दौरे से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित मणिपुर दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर समेत पूरे राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। हर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। साथ ही चप्पे–चप्पे पर सुरक्षा बलों की नजर है। इंफाल में 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड और इसके आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवानों को तैनात किया गया है। यहां प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है। पीएम मोदी के शनिवार को मिजोरम से मणिपुर पहुंचने की संभावना है। हालांकि इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। मगर मणिपुर में तैयारियां चल रही हैं। मई 2023 में कुकी और मैतेई के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी की यह पहली मणिपुर यात्रा होगी। पीएम मोदी

के दौरे को लेकर कांगला किले की ओर जाने वाले संजेनथोंग, मिनुथोंग और मोइरंगखोम क्षेत्रों में तलाशी और चेकिंग बढ़ा दी गई है। केंद्रीय सुरक्षा दल, राज्य कर्मियों के साथ कांगला किले का 24 घंटे निरीक्षण कर रहे हैं। राज्य आपदा प्रबंधन बल की नौकाओं को किले के चारों ओर की खाइयों में गश्त के लिए लगाया गया है। केंद्रीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि किसी भी अवांछित सामग्री का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों और आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सुरक्षाकर्मी बारी–बारी से किले में पैदल गश्त कर रहे हैं ताकि किसी भी अवांछित संकेत की जांच की जा सके। किले में सभी के प्रवेश का पंजीकरण और जांच की जा रही है और किले में पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है और उच्च अधिकारियों की निगरानी में अभ्यास किया जा रहा है। स्थिति पर नजर रखने के लिए सुरक्षा अधिकारियों की दैनिक बैठकें भी हो रही हैं। केंद्रीय सुरक्षा अधिकारियों की एक बड़ी टीम भी चुराचांदपुर पहुंच गई। राज्य के अन्य स्थानों पर भी सुरक्षा बलों ने राज्य के सभी संवेदनशील और सीमांत क्षेत्रों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर शिवसेना ने दी प्रदर्शन की चेतावनी : संजय राउत

मुंबई , (संवाददाता)। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को लेकर देश में सियासी पारा चरम पर है। इसे लेकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा, ...हम इस भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच का विरोध करेंगे। महिलाएं सड़कों पर उतरेंगी और हमारा अभियान शसिंदूर रक्षा अभियानश है... आपने कहा था कि पानी और खून साथ–साथ नहीं बहेंगे। अगर पानी और खून साथ–साथ नहीं बहेंगे, तो खून और क्रिकेट साथ–साथ कैसे चलेंगे? यह देशद्रोह है, बेशर्मी है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, यह अभी भी जारी है। पहलगाम में हमारी 26 महिलाओं का सिंदूर मिटा दिया गया। उनका दर्द, दुख और गुस्सा खत्म नहीं हुआ है। आज भी वे सदमे में हैं। आप लोग अबू धाबी में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। यह बेशर्मी है, यह देशद्रोह है। मेरा सवाल भाजपा से है, सरकार से नहीं। मेरा सवाल विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस, बजरंग दल से है। इसमें आपकी कोई भूमिका है या नहीं? इससे पहले उद्धव गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एशिया कप में संभावित भारत–पाकिस्तान मैच के देश में सीधे प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की थी। उन्होंने पिछले महीने ही राष्ट्रीय हित और जनभावना का हवाला देते हुए मैच का सीधा प्रसारण बंद करने के लिए सरकार को पत्र लिखा था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा था, शमैं आपको गहरी पीड़ा और चिंता के साथ लिख रही हूं, न केवल एक संसद सदस्य के रूप में, बल्कि इस देश के नागरिक के रूप में भी, जो अभी भी इस साल पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में जानमाल के नुकसान का गम भूल नहीं पाया है। इस हमले के बाद सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो एक आतंकवाद–रोधी अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान को आतंकवाद के निरंतर प्रायोजन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेह ठहराना था। आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का संदेश लेकर एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजा गया था, जिसमें मैं भी शामिल थी, लेकिन भारत सरकार का क्रिकेट मैचों के आयोजन का यह निर्णय मुझे और मेरी अंतरात्मा को पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

मेरे खिलाफ पैसे देकर चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान – नितिन गडकरी

नागपुर, (संवाददाता)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि म्20 मिश्रित ईंधन के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाया जा रहा अभियान मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए है। इसे पैसे देकर चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। यहां उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था। गडकरी ने जवाब दिया कि ऑटोमोबाइल निर्माता और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (।त।प्) जैसी संस्थाओं ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण पर अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। मंत्री ने कहा, शजिस तरह आपका उद्योग काम करता है, उसी तरह राजनीति भी काम करती है। सोशल मीडिया अभियान सशुल्क था। यह मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए था। इसमें कोई तथ्य नहीं है। सब कुछ स्पष्ट है। इथेनॉल मिश्रण आयात का विकल्प, लागत–प्रभावी, प्रदूषण–मुक्त और स्वदेशी है गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात पर भारी रकम खर्च करता है। उन्होंने पूछा कि क्या जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने और बचाई गई राशि को भारतीय अर्थव्यवस्था में लगाने का प्रयास करना आर्थिक रूप से एक अच्छा कदम नहीं है।

उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस–वोटिंग पर विपक्ष में हलचल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग के मामलों को लेकर विपक्ष में हलचल मची हुई है। टीएमसी ने क्रॉस वोटिंग की अफवाहों को कमतर बताया है। वहीं कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) ने भी क्रॉस वोटिंग पर सवाल उठाए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि सरकार को इधर–उधर के 15 वोटों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद के 15 दिन मणिपुर में हिंसा शुरू होने के 862 दिन और पश्चिम बंगाल के लिए मनरेगा फंड रोके जाने के 1282 दिन गिनने चाहिए। डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद 15 दिन हो चुके हैं। मणिपुर में हिंसा शुरू हुए 862 दिन हो चुके हैं। जेपी नड्डा को भाजपा अध्यक्ष के रूप में 967 दिन हो चुके हैं। पश्चिम बंगाल के लिए मनरेगा फंड को रोके हुए 1282 दिन हो चुके हैं। लोकसभा में उप सभापति नहीं होने के 2278 दिन हो चुके हैं और प्रधानमंत्री द्वारा लोकसभा में एक प्रश्न का उत्तर दिए जाने के 4117 दिन हो चुके हैं। टीएमसी नेता ने कहा कि ये महत्वपूर्ण आंकड़े हैं जिनके लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। पंद्रह वोट इधर–उधर होना कोई ऐसा आंकड़ा नहीं है जिस पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत हो। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने भी उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणामों पर सवाल उठाया। 15 अवैध वोटों और पिछले चुनाव की तुलना में एनडीए के उम्मीदवार के लिए समर्थन में गिरावट पर उन्होंने चिंता जताई। सावंत ने बताया कि विपक्ष का वोट शेयर 26 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया है। सीपी राधाकृष्णन वोट लाए होंगे। 15 वोट अवैध कैसे हुए? पिछली बार जगदीप धनखड़ को 528 वोट मिले थे। इस बार भाजपा को 452 वोट मिले। संख्या में कमी क्यों आई? विपक्ष को पिछली बार 26: वोट मिले थे और इस बार 40: मिले। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि विपक्षी दलों को क्रॉस वोटिंग की समीक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि मैं सीपी राधाकृष्णन को उनकी जीत पर बधाई देता हूं। जहां तक नतीजों की बात है। पिछली बार विपक्ष को 26 फीसदी वोट मिले थे। इस बार यह बढ़कर 40 फीसदी हो गया। पीएम मोदी के दरवाजे पर खतरा मंडरा रहा है।

स्वच्छता-सेवा के मूल्यों को मिलेगा बल : भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर 15 दिनों तक चलने वाले 'सेवा पखवाड़ा' की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। इस दौरान भाजपा देशभर में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान और प्रदर्शनी आयोजित करेगी, जिसमें केंद्र सरकार के कामों को दिखाया जाता है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को इसको लेकर कहा कि आने वाले 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक पूरे देश में भाजपा शसेवा पखवाड़ाश आयोजित करेगी। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से शुरू होगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान भूपेंद्र यादव ने बताया कि पीएम मोदी ने भारतीय राजनीति में सेवा, स्वच्छता और संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को मजबूत किया है। चाहे संकट हो, महामारी हो या प्राकृतिक आपदा उन्होंने हमेशा सेवा भाव से लोगों को जोड़ने की प्रेरणा दी है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आगे सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले कामों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में दूर–दराज के गांवों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाया गया है और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को लेकर देश मजबूत कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वास्थ्य सेवा और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिससे समाज के हर वर्ग के लोग इससे जुड़ सकें। इसके साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पार्टी लाखों लोगों को रक्तदान शिविरों का लाभ दिलाने की पूरी कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन से लेकर गांधी जयंती तक कई कार्यक्रम होंगे। 17 सितंबर से स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को फायदा पहुंच सके। स्वच्छता अभियान के बारे में उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, स्कूल और गलियों की सफाई में लोगों को भी जोड़ा जाएगा ताकि सभी मिलकर इस काम में हिस्सा लें। यह अभियान हर साल आयोजित किया जाता है ।

संपादकीय

राधाकृष्णन से उम्मीदें

इसमें दो राय नहीं कि भारत के पंद्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चौंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दर्शाता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दर्शाता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस–वोटिंग को भी दर्शाता है। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन का उप राष्ट्रपति पद के लिये चुना जाना विपक्ष के लिये एक सबक जैसा भी है। जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद–विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा अधिक कार्य हो सकेगा। उनके लिये चुनौती होगी कि वे अपनी वैचारिक संबद्धता के बावजूद, सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता और न्यायसंगतता का प्रदर्शन करें। यह निर्विवाद सत्य है कि संसद की विश्वसनीयता अध्यक्ष की दलीय सीमाओं से परे सम्मान अर्जित करने की क्षमता पर निर्भर करती है। ऐसे समय में जब संसदीय कार्यप्रणाली सार्वजनिक विमर्श के दायरे में है,।

जन प्रतिनिधियों से विवेकपूर्ण व्यवहार की उम्मीद

गोपाल

यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति में विवेक पर वैयक्तिक और दलीय स्वार्थ अक्सर हावी हो जाते हैं। जनतंत्र की सफलता और सार्थकता का तकाजा है कि इस स्थिति से उबरा जाये। निर्वाचित सांसदों के विवेक पर शंका करने की आवश्यकता नहीं है, आवश्यकता विवेकपूर्ण व्यवहार करने की है। सातवीं–आठवीं में पढ़ने वाला वह बच्चा टीवी पर समाचार सुनते–सुनते अचानक हंस पड़ा। समाचार तो मैं सुन रहा था, उसने अनायास ही वह समाचार सुन लिया के हमारे सांसद तो ऐसे नहीं हैं। बहरहाल, मैंने उस बच्चे को बताया कि बात मतदान का तरीका सिखाने की नहीं, अपने–अपने सांसदों को एकजुट रखने की है। इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करके राजनीतिक दल अपने समर्थकों को जोड़े रखने की कोशिशें करते हैं। यह सुनकर वह बच्चा फिर हंस पड़ा था। इस बार मैंने नहीं पूछा कि वह क्यों हंसा है। मैंने अपने आप से पूछा था, यह कैसा जनतंत्र है हमारा कि हमें अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों को भी यह समझाना पड़ता है कि जनतंत्र में विचारधारा का भी कुछ मतलब होता

होगा। समाचार उपराष्ट्रपति के चुनाव के बारे में था और एंकर कह रहा था, सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने–अपने सांसदों को मतदान का तौर–तरीका समझाने के लिए संसद–भवन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किये। जब मैंने बच्चे से हंसने का कारण पूछा तो उसने बताया कि उसे हंसी इस बात पर आ रही थी कि हमारे सांसदों को वोट देना भी नहीं आता! यह सुनकर मैं भी अनायास ही मुस्कराने लगा था। बात तो सही है, उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान क्या सचमुच इतनी जटिल प्रक्रिया है कि सब कुछ जानने का दावा करने वाले हमारे सांसदों को यह भी सिखाना पड़े कि वोट कैसे डाला जाता है! रहा होगा कोई जमाना जब कुछ कम पढ़े–लिखे, या फिर अनपढ़ भी सांसद बनते हों। पर इक्कीसवीं सदी हैय कि राजनीति अवसर का लाभ उठाने की कला मात्र नहीं हैय कि विचारधारा का भी हमारी राजनीति से कुछ रिश्ता होना चाहिए। यह दुर्भाग्य ही है कि हमारी राजनीति सत्ता हथियाने और सत्ता में बने रहने तक ही सीमित होती जा रही है। विचारों और विचारधाराओं का नाम लेकर राजनीतिक दल बनाये अवश्य जाते हैं, पर चलते वे इसी सिद्धांत पर ही हैं कि सारा खेल सत्ता का है। यदि ऐसा न होता तो हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि 'आयाराम–गयाराम' का घटिया खेल खेलते न दिखाई देते। जिस गति और आसानी से हमारे राजनेता अपना पाला बदलते हैं, उस पर आश्चर्य ही नहीं होता, शर्म भी आती है। राजनीतिक दल भी जिस तरह नेताओं की अदला–बदली को प्रोत्साहन देते हैं, वह भी अपने आप में हास्यास्पद ही नहीं, शर्मनाक भी है। हमारे राजनेता, चाहे व किसी भी रंग के झण्डे वाले हों, किसी मूल्य या आदर्श के आधार पर राजनीति करने में विश्वास नहीं करते। कहते वे भले ही कुछ भी रहें, करते वे घटिया राजनीति ही हैंकृइस घटिया राजनीति में नीतियों–सिद्धांतों और अंतरात्मा की आवाज का कोई मतलब नहीं होता। मतलब होता है तो सिर्फ इस बात का कि राजनीति के इस खेल में मुझे कितना और कैसा लाभ मिल सकता है। अंतरात्मा की बात से याद आया उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले इस चुनाव में भी कम से कम एक प्रत्याशी ने सांसदों से अपील की थी कि वे राजनीतिक सौदेबाजी के आधार पर नहीं, अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर मतदान करें। कहने को तो सब ऐसा ही करने की बात कह सकते हैं, पर हकीकत तो यही है कि हमारी राजनीति में अंतरात्मा की आवाज जैसी कोई बात बची नहीं है। वह सिद्धांतों, मूल्यों, आदर्शों की राजनीति नहीं है, मात्र सत्ता की, और सत्ता के लिए, राजनीति है। हमने यह बार–बार देखा है कि हमारे राजनेता सत्ता के लिए कुछ भी कह सकते हैं, कर सकते हैं! उनकी कथनी और करनी के अंतर को देखने के लिए किसी खुर्दबीन की आवश्यकता नहीं है। लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति, उपराष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर होना चाहिए। इन दोनों आसनों पर बैठने वाले व्यक्तियों से यह आशा की जाती है कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर अपने कार्य को अंजाम देंगे। अक्सर ऐसा होता भी होगा, पर ऐसे उदाहरण भी कम नहीं हैं जब हमने इन पदों की शोभा बढ़ाने वालों को सत्तारूढ़ पक्ष के प्रतिनिधि के रूप में काम करते देखा है। यह सही है कि लोकसभा और राज्यसभा की कार्रवाई चलाने वाले व्यक्ति भी किसी राजनीतिक दल के सदस्य के रूप में चुनकर ही संसद में आते हैं। पर अपेक्षा यह की गयी है कि इन पदों पर बैठने वाले व्यक्ति दलगत राजनीति के हितों–स्वार्थों से ऊपर उठकर निर्णय लेंगे। पर हमेशा ऐसा होता नहीं दिखता। पर ऐसा दिखना चाहिएकृऐसा ही होना चाहिए। लेकिन जो चाहिए, और जो हो रहा है, उसके बीच की सीमा–रेखा अक्सर धुंधली पड़ते देखना अब हमें कोई आश्चर्य नहीं लगता। सच बात तो यह है कि हमारी राजनीति में अंतरात्मा की आवाज जैसी कोई बात अब बची नहीं है। हमारे प्रतिनिधि दलीय हितों के आधार पर आचरण करते हैं और कतई जरूरी नहीं कि इन दलीय स्वार्थों का राष्ट्रीय हितों से कोई रिश्ता हो ही। लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का पद दलीय हितों से कहीं ऊपर होता हैकृऊपर होना चाहिए। पर अक्सर जो कुछ देखा जाता वह इसके विपरीत ही होता है। लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का चुनाव सांसद ही करते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने विवेक से यह कार्य करेंगे। इसीलिए इन चुनावों के लिए कोई व्हिप भी जारी नहीं किया जाता। मतदान भी गुप्त ही होता है। इस सारी प्रक्रिया का अर्थ और उद्देश्य यही है कि मतदाता सांसद बिना किसी दबाव के दलीय स्वार्थों से ऊपर उठकर, मतदान कर सकें। पर अक्सर देखा यही गया है कि इन पदों के लिए मतदान का आधार दलीय स्थितियां ही होती हैं। यह स्थिति बदलनी चाहिए। विवेकहीन राजनीति किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कही जा सकती। रामधारी सिंह की पंक्ति हैकृ'जब नाश मनुज का आता है, पहले विवेक खो जाता है'। इस विवेक को खोने से बचाना होगा। उपराष्ट्रपति–पद के चुनाव में सांसदों के निर्णय का आधार विवेक रहा या मात्र दलीय हित, यह कहना–समझना मुश्किल है। पर इतना तो कहा ही जाना चाहिए कि जनतंत्र जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों से विवेकपूर्ण व्यवहार की अपेक्षा करता है।

चिप इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग में अग्रणी पहल

भारत, जो कभी सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात पर निर्भर था, अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित 'सेमिकान इंडिया 2025' सम्मेलन इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। चिप्सकृअर्थातद्द सेमीकंडक्टरकृआज की तकनीकी दुनिया की रीढ़ हैं। मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल, 5जी नेटवर्क, स्वास्थ्य उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक सेना उपकरणकृसभी में सेमीकंडक्टर हर जगह उपयोग हो रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश को चिप डिजाइन, निर्माण, पैकेजिंग और परीक्षण में आत्मनिर्भर बनाना है। इस लक्ष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने हेतु भारत ने कई बड़े कदम उठाए हैं और कई परियोजनाएं राष्ट्रहित में अग्रसर हैं। भारत, जो कभी सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात पर निर्भर था, अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित 'सेमिकान इंडिया 2025' सम्मेलन इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ है। सेमीकंडक्टर चिप्स आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स का मूलभूत हिस्सा हैं। ये स्मार्टफोन, कंप्यूटर, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरणों और रक्षा प्रणालियों में उपयोग होते हैं। इनकी मांग वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। सेमिकान इंडिया 2025 में 48 देशों के 2,500 से अधिक प्रतिनिधियों, 350 से अधिक प्रदर्शकों, 150 से अधिक वक्ताओं और 20,750 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, इनमें 50 वैश्विक नेताओं ने विचार साझा किए। सम्मेलन में एक ऐतिहासिक क्षण तब आया जब प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का प्रथम पूर्णतः स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 3201' का अनावरण किया। यह 32–बिट स्पेस–ग्रेड चिप इसरो द्वारा डिजाइन की गई तकनीक पर आधारित है, और एससीएल चंडीगढ़ में निर्मित है। इस चिप के माध्यम से भारत ने मिशन–क्रिटिकल इलेक्ट्रॉनिक्स में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि सेमीकंडक्टर का वैश्विक बाजार कुछ वर्षों में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा, और इसमें भारत की भूमिका अहम रहेगी। उल्लेखनीय है कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चिप निर्माण के लिए 76,000 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन की घोषणा की गई है। इसमें से 65,000 करोड़ रुपये चिप निर्माण के लिए और 10,000 करोड़ रुपये मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला के आधुनिकीकरण के लिए आवंटित किए गए हैं। वहीं डीप टेक भारत की पहल आईआईटी कानपुर में शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी और बायोसाइंसेज जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना है। वहीं दूसरी ओर, राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली के माध्यम से निवेशकों को केंद्र और राज्य सरकारों से अनुमतियां एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलती हैं, जिससे प्रक्रिया सरल और तेज होती है। भारत में सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग और निर्माण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। नोएडा और बेंगलुरु में अत्याधुनिक डिजाइन केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां बिलियनों ट्रांजिस्टर्स वाले चिप्स पर काम हो रहा है। 28 स्टार्टअप्स चिप डिजाइनिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं, जो नवाचार और विकास में योगदान दे रहे हैं। सरकार ने 10 लाख से अधिक लोगों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रशिक्षण प्रदान किया है, जिससे मानव संसाधन की क्षमता में वृद्धि हुई है। 12 अगस्त, 2025 को सरकार ने ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में चार नए सेमीकंडक्टर निर्माण प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दीकृजिनका कुल निवेश रुपये 4,600 करोड़ है। इनमें सिलिकॉन कार्बाइड फैब ओडिशा में, सीडीआईएल विस्तारित निर्माण पंजाब में और असिप टेक्नोलॉजीज द्वारा पैकेजिंग परीक्षण केंद्र आंध्र प्रदेश में शामिल है।

..... विविध .....

ऑनलाइन स्किल का स्मार्ट इस्तेमाल

अगर हम सजगता से ऑनलाइन संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं, तो ये हमारे कैरियर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। मसलन लक्ष्य के मुताबिक ऑनलाइन सीखे गये स्किल सेट जल्द नयी नौकरी या प्रमोशन दिलाने में मददगार हैं।

ऑनलाइन रिसोर्स तभी हमारे कैरियर को पंख लगाते हैं, जब हम उनका बहुत स्मार्टली इस्तेमाल करते

हैं। सिर्फ ऑनलाइन सर्टिफिकेट कलेक्ट कर लेना या लिंक्ड इन पर प्रोफाइल बनाना ही काफी नहीं है। सही चुनाव और सही ऑनलाइन रिसोर्स का इस्तेमाल ही इनकी हमारे कैरियर में बड़ी भूमिका सुनिश्चित करती है। अगर हम सजगता से ऑनलाइन संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं, तो ये हमारे कैरियर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

स्किल अपग्रेडेशन

पहले छोटी मोटी स्किल या कुशलता को सीखने के लिए भी हमें किसी कॉलेज या इंस्टीट्यूट में एडमिशन लेना पड़ता था और कई प्रतिस्पर्धाओं से दो–चार होना पड़ता था। जबकि आजकल ऐसी कोई बाध्यता नहीं। अब कोरसेरा, यूडेमी, इडीएक्स, एनपीईएल तथा अपग्रेड जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हमारे स्किल अपग्रेडेशन के लिए जरूरी सभी संसाधन मुहैय्या करा देते हैं। इन प्लेटफॉर्म की बदौलत घर बैठे ग्लोबल लेवल की डिग्री और कोर्स कर सकते हैं। जेन जेड और मिलेनियल्स अक्सर ऑनलाइन सर्टिफिकेशन के जरिये अपनी नौकरी में कई तरह के प्रमोशन पाना सुनिश्चित करते हैं। पर हमें इसके बेहतर इस्तेमाल के लिए स्किल अपग्रेडेशन पर फोकस करना होता है। कोई भी ऑनलाइन कोर्स देखा और उसे करने लग जाएं तो बात नहीं बनती। पहले अपना कैरियर गोल स्पष्ट रखना चाहिए। स्किल सेट का हमारे कैरियर में सीधा असर होता है, जल्द नौकरी या प्रमोशन मिलती है।

नेटवर्किंग और विजिबिलिटी

लिंक्ड इन, वीट हब, बिहेंस, कॉगले जैसे प्लेटफॉर्म सिर्फ नेटवर्किंग के लिए नहीं है बल्कि हमारी प्रोफेशनल बांडिंग भी करते हैं और इनके जरिये हम अपने कैरियर को जरूरी उड़ान दे सकते हैं। क्योंकि आजकल बहुत सारी कंपनियां लिंक इन प्रोफाइल देखकर ही अपने लिए एम्प्लॉई हायर करती हैं। मगर हमें इस मामले में इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा प्रोफेशनल नेटवर्किंग पर फोकस करें। लिंक इन पर महज एकाउंट बनाकर छोड़ देना प्रोफेशनल नेटवर्किंग का स्मार्ट इस्तेमाल नहीं है। स्मार्ट इस्तेमाल के लिए हमें नियमित पोस्ट करना, चर्चाओं में भाग लेना, इंडस्ट्री लीडर्स को फॉलो करना आदि कार्य करने होंगे। कई बार नौकरी एप्लीकेशन की बजाय नेटवर्किंग से ज्यादा मिलती है। क्योंकि नेटवर्किंग के जरिये हम पर्सनल बांडिंग करने में सक्षम होते हैं। यह कैरियर ग्रोथ का बेहतरीन शॉर्टकट साबित हो सकता है।

जॉब सर्च और अवसर

ऑनलाइन तकनीक से हम आज पहले के मुकाबले ज्यादा स्मार्ट तरीके से जॉब सर्च कर सकते हैं। पहले इसके लिए सिर्फ अखबार और जॉब पोर्टल ही हुआ करते थे। जबकि आजकल कई ऐसे स्पेशल पोर्टल हैं जो जॉब सर्च पर ही फोकस करते हैं। जैसे इंडी, नौकरी, ग्लासडोर, इंटर्नशाला जैसे स्पेशल जॉब सर्च पोर्टल और लिंक्ड इन जॉब जैसी विशेष जॉब वेबसाइटें हमें नौकरी तलाश करने में पहले से ज्यादा सुविधा प्रदान करती हैं। एआई बेस्ड जॉब मैचिंग टूल्स से भी सही अवसर आसानी से मिल जाता है। लेकिन इसके लिए हमें कुछ स्मार्ट तरीके भी इस्तेमाल करने होते हैं। जैसे इन दिनों जॉब की दुनिया में रिज्यूमें या बायोडाटा का जरा भी महत्व नहीं रह गया, उसकी जगह हमारी ऑनलाइन पोर्टफोलियो महत्वपूर्ण है। पोर्टफोलियो दिखाने के लिए वीट हब (डेवलेपर्स), बिहेंस (डिजाइनर्स), मीडियम (लेखक) और कॉगले (डेटा साइंटिस्ट) इन स्पेशल प्लेटफॉर्म में स्पेशल जॉब के लिए फोकस किया जा सकता है।

मेंटरशिप और गाइडेंस

पहले मेंटर ढूंढ़ना बहुत मुश्किल काम होता था। लेकिन आज ऑनलाइन कम्युनिटी और ग्रुप्स मौजूद हैं, जो फ्री में मेंटॉरशिप प्रदान कर रहे हैं। रेडिटडिस्कॉड, कोरा, टेलिग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप्स में आसानी से मेंटॉरशिप मिल जाती है। वाई कंबीनेटर, स्टार्टअप इंडिया, एंगलिस्ट जैसे प्लेटफॉर्म से उद्यमियों को निवेशक भी ऑनलाइन मिल जाते हैं। लेकिन इसके लिए हमें इन ग्रुप्स में न सिर्फ सही जगह जुड़ने की जरूरत होती है बल्कि सही सवाल पूछना भी जरूरी होता है और अगर फिर भी बात न बनें तो अपने अनुभव को शेयर कर देना, कैरियर का रास्ता आसान कर देता है।

फ्रीलांस और गिग इकॉनोमी

इस दौर से ज्यादा बेहतर और सम्मानजनक ढंग से फ्रीलांसिंग करना पहले संभव नहीं था। आज आप अगर अपनी फील्ड में कुशल हैं तो आपके इर्दगिर्द से ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने कोने से आपको फ्रीलांस वर्क बहुत आसानी से मिल जाते हैं। फाइवरर, अपवर्क, टॉप, फ्रीलांसर डॉट कॉम जैसी वेबसाइटों के जरिये हम भारत में ही बैठकर विदेशी कंपनियों

सुंदर चेहरा रखना है तो छोड़ दो ये गलती, नहीं तो छुपाना पड़ेगा दानों से भरा चेहरा

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हम अपनी त्वचा की देखभाल को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। बाहर की धूल, प्रदूषण, तनाव और अनियमित दिनचर्या का असर हमारी स्किन पर साफ दिखाई देने लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हममें से ज़्यादातर लोग रोज एक ऐसी सामान्य सी गलती करते हैं, जो धीरे–धीरे हमारी त्वचा को बर्बाद कर रही होती है? ये गलती इतनी मामूली लगती है कि हम इसे गंभीरता से नहीं लेते लेकिन परिणाम इतने खघ्तरनाक हो सकते हैं कि चेहरा दानों, फोड़े–फुंसियों और दाग–ध ाब्बों से भर सकता है। चलिए जानते हैं वो एक आम गलती क्या है, और इससे बचने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं।

वो एक गलती बिना चेहरा धोए सो जाना

बहुत से लोग दिनभर की थकान के बाद सीधे बिस्तर पर चले जाते हैं और चेहरा धोना भूल जाते हैं। यह आदत सबसे ज़्यादा नुकसान पहुंचाती है। दिनभर चेहरे पर जमी धूल, पसीना, ऑयल और मेकअप स्किन के पोर्स (रोमछिद्रों) को बंद कर देते हैं। इससे स्किन को सांस नहीं मिलती और बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं, जिससे होते हैं दाने, पिंपल्स, फोड़े और फुंसियां।

इससे होने वाले नुकसान

एक्ने और पिंपल्स की भरमाररू बंद पोर्स में गंदगी और तेल जमा होकर पिंपल्स को जन्म देते हैं।

त्वचा का बेजान और रूखा हो जानारू बिना सफाई के सोने से त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक खो देती है।

ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्सरू स्किन पर मृत कोशिकाएं जमा होने लगती हैं जो ब्लैकहेड्स में बदलती हैं।

त्वचा समय से पहले बूढ़ी दिखने लगती है। नियमित सफाई न करने से झुर्रियां जल्दी आने लगती हैं।

कैसे करें इस गलती से बचाव

सोने से पहले चेहरा जरूर ध ाोएंरू माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ करें, खासकर अगर आपने मेकअप किया है।

क्लेंजिंग करें मेकअप रिमूवर या नारियल तेल से अच्छी तरह चेहरा साफ करें।

मॉइश्चराइज करना न भूलेंरू रात को स्किन को नमी देना बहुत जरूरी है ताकि वह रिपेयर हो सके।

साफ तकिया कवर और बेडशीट का इस्तेमाल करें गंदे कपड़ों में बैक्टीरिया होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

छोटी–छोटी आदतें हमारे चेहरे की खूबसूरती बनाए रख सकती हैं, लेकिन वही आदतें अगर गलत हों, तो बड़ी समस्या बन जाती हैं। बिना चेहरा धोए सोना एक ऐसी ही आदत है जो धीरे–धीरे आपकी त्वचा को बर्बाद कर सकती है। आज से ही इस गलती को सुधारिए, और अपनी त्वचा को दीजिए वो देखभाल जिसकी उसे जरूरत है ताकि आप हर दिन दमकते और बेदाग चेहरे के साथ खुद पर गर्व कर सकें।

वो बीमारी जिसमें बच्चों का घुटता है दम, नाक बहना और खांसी है इसके आम लक्षण

एक अध्ययन के अनुसार स्वस्थ शिशुओं को भी गंभीर रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी) संक्रमण के कारण गहन देखभाल या लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती होने का खतरा होता है – खासकर जीवन के पहले तीन महीनों के दौरान। आरएसवी छोटे बच्चों में श्वसन संक्रमण का एक आम कारण है। हर साल, आरएसवी के कारण 36 लाख बच्चे अस्पताल में भर्ती होते हैं और पांच साल से कम उम्र के बच्चों में लगभग 1,00,000 आरएसवी–संबंधित मौतें होती हैं।

23 लाख बच्चों का लिया गया आंकड़ा

स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने 2001 से 2022 के बीच स्वीडन में जन्मे 23 लाख से ज़्यादा बच्चों के आंकड़ों का विश्लेषण किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरएसवी संक्रमण से गंभीर जटिलताओं या मृत्यु का सबसे ज़्यादा खघ्तरा किसे है। द लैंसेट रीजनल हेल्थ–यूरोप में प्रकाशित निष्कर्षों से पता चला है कि जिन बच्चों को गहन देखभाल की जरूरत थी या जिन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा, उनमें सबसे बड़ा समूह तीन महीने से कम उम्र का था, जो पहले स्वस्थ थे और पूर्ण अवधि में पैदा हुए थे। अध्ययन में शामिल कुल 1.7 प्रतिशत बच्चों में आरएसवी संक्रमण का निदान किया गया। इनमें से लगभग 12 प्रतिशत (4,621 बच्चे) गंभीर रूप से बीमार थे।

इन बच्चों को खतरा ज्यादा

शोधकर्ताओं ने कई ऐसे कारकों की भी पहचान की जो गहन देखभाल की आवश्यकता या मृत्यु के बढ़ते जोखिम से जुड़े थे। सर्दियों में पैदा हुए बच्चों, या जिनके 0–3 वर्ष की आयु के भाई–बहन या जुड़वां बच्चे थे, उनमें जोखिम लगभग तीन गुना बढ़ गया था, जबकि जन्म के समय छोटे बच्चों में जोखिम लगभग चार गुना बढ़ गया था। जिन बच्चों को पहले से ही कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या थी, उनमें गंभीर बीमारी या मृत्यु का जोखिम चार गुना से भी ज़्यादा था। अच्छी खबर यह है कि अब नवजात शिशुओं को निवारक उपचार और गर्भवती महिलाओं को टीका दिया जा सकता है।

प्राधिकरण और सरकारी संस्थाएं भी कर रहीं जीएसटी चोरी, सरकार से अरबों का बजट लेने वाले सरकारी विभाग घेरे में

लखनऊ, (संवाददाता)। जीएसटी चोरी में सिर्फ निजी फर्में ही नहीं लिप्त हैं, बल्कि औद्योगिक विकास प्राधिकरण और सरकारी संस्थाएं भी जीएसटी का भुगतान नहीं कर रही हैं। इसे देखते हुए शासन ने विशेष रूप से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा की बैलेंस शीट के सघन अध्ययन के निर्देश दिए हैं। निर्माण और विकास कार्यों के लिए सरकार से बजट लेने वाली सरकारी संस्थाओं के खर्च के प्रपत्र भी जांचने के निर्देश दिए गए हैं। संस्थाओं से जुड़े ठेकेदारों और फर्मों की जांच के निर्देश प्रमुख सचिव राज्य कर ने सभी अपर आयुक्तों को दिए हैं। प्रदेश के कुल राजस्व में राज्य कर की हिस्सेदारी करीब 60 फीसदी है। चालू वित्तीय वर्ष में राज्य कर से 1.75 लाख करोड़ का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य है। इसे पूरा करने के लिए प्रमुख सचिव राज्य कर आयुक्तों को सरकारी एम. देवराज ने अपर संस्थाओं, उनसे जुड़े ठेकेदारों और

औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के जरिये कराए जा रहे निर्माण कार्यों के बजट की समीक्षा के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इन कामों में बड़े पैमाने पर जीएसटी का भुगतान नहीं किए जाने किए जाने की सूचना है। इसे देखते हुए सरकार हर जिले में हो रहे निर्माण कार्यों की सूची तैयार करा रही है। इसी आधार पर जीएसटी की बकाया वसूली का नोटिस भेजा जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग पर भी जीएसटी की देनदारी की जांच हो रही है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा द्वारा दी जाने वाली विभिन्न तरह की सेवाओं पर जीएसटी बकाया है। ये प्राधिकरण कई तरह की फीस भी लेते हैं जिन पर जीएसटी लागू है। इसकी वसूली के लिए प्राधिकरणों की बैलेंस शीट का डाटा एनालिसिस किया।

जारी बजट के हिसाब से नहीं मिला टैक्स

विभागीय जांच में पाया गया कि एक अप्रैल 2024 से निर्माण कार्यों की कार्यदायी संस्थाओं और सरकारी संस्थाओं को जितना बजट जारी किया गया है उस हिसाब से टैक्स नहीं मिला है। इसे देखते हुए कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जिन ठेकेदारों को टेंडर दिया गया है उनके एस्टीमेट का मिलान फाइनल बिल और दाखिल रिटर्न से किया जाएगा। इस जांच के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है।

पेंशन देने में अस्थायी नौकरी की अवधि नहीं जुड़ेगी, अपर मुख्य सचिव वित्त ने जारी किया शासनादेश

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में किसी भी कर्मचारी को पेंशन देने में उसकी नौकरी की अस्थायी, वर्क चार्ज या दैनिक वेतन की अवधि को नहीं जोड़ा जाएगा। इस संबंध में शासन ने उप्र. पेंशन की हकदारी तथा विधिमान्यकरण अध्यादेश 2025 के अनुसार पेंशन से संबंधित प्रकरणों में कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया कि ऐसे व्यक्ति जिनकी नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा जारी किसी नियमावली के तहत नहीं हुई है और न ही उनका कभी विनियमितीकरण किया गया है। ऐसे व्यक्ति कोर्ट में वाद दायर कर रहे हैं कि उन्हें सरकारी कार्मिकों के समान पेंशन आदि के लाभ दिए जाएं। उन्होंने ऐसे मामले में विधायी विभाग की दो सितंबर को जारी अधिसूचना के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। बता दें, लंबे समय अस्थायी प्रकृति की नौकरी के बाद नियमित होने वाले तमाम कार्मिक पेंशन लाभ के लिए अस्थायी अवधि को भी स्थायी अवधि के समान जोड़ने की मांग करते हैं। कई के पक्ष में अदालत से आदेश भी हो जाते हैं, इसलिए सरकार ऐसे मामलों के लिए अध्यादेश लेकर आई है, जिसे विधानमंडल सत्र के दौरान सदन में रखकर अधिनियम का रूप दिया जाएगा। इस अध्यादेश में कहा गया है कि पेंशन लाभ के लिए अस्थायी अवधि पर विचार नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

अभिभावक परामर्श कार्यक्रम बीईओ तारकेश्वर सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न

अयोध्या। शुक्रवार को कंपोजिट विद्यालय पुलिस लाइन विद्यालय में अभिभावक परामर्श कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी तारकेश्वर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।इस मौके पर नगर क्षेत्र के स्पेशल एजुकेटर गणेश प्रताप सिंह द्वारा अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे मे अवगत कराया गया।जिसमें मुख्य रूप से स्टाइपेंड अलाउंस, एस्कार्ट अलाउंस,लार्ज प्रिंट बुक, कैलीपर्स, ट्राइसाइकिल ,व्हील चेयर, कॉकलियर इंप्लांट सर्जरी के बारे मे अवगत कराया गया। कृ

ष्ण चंद्र वर्मा स्पेशल एजुकेटर द्वारा मेडिकल असेसमेंट कैंप, उपकरण मापन कैंप जैसी सुविधाओं के बारे में अवगत कराया गया।उक्त कार्यक्रम में जनपद के फीजियोथेरेपिस्ट डॉ विवेक कुमार श्रीवास्तव द्वारा सेरेब्रल पाल्सी से ग्रसित एवं अस्थिबाधित बच्चों को फिजियोथेरेपी कराने हेतु विभिन्न तरीके समझाए गए।कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग शिक्षक मुकेश कुमार यादव रोल मॉडल के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने अभिभावकों को समझाया कि उनके जीवन में विभिन्न प्रकार की दिक्कतों के बावजूद आज वो शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं।कार्यक्रम में जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शिवाकांत द्विवेदी द्वारा सभी अभिभावकों से नियमित रूप से बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सभी को जनपद से मिलने वाली सुविधा के बारे में अवगत कराया गया।

अब भूमिगत केबिल, पाइप बिछाने में अब नहीं चलेगी विभागों की मनमानी

लखनऊ, (संवाददाता)। अब बिजली के तार, पेयजल, सीवर व गैस पाइपलाइनों को बिछाने में विभाग और संबंधित कंपनियां मनमानी नहीं कर पाएंगी। कार्य के दौरान सड़क खोदाई में यदि कंपनियां सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाएंगी तो पकड़ी जाएंगी। इसके लिए प्रदेश स्तर पर भूमिगत सेवाओं के कार्य के लिए सुगम पोर्टल विकसित किया जा रहा है। बुधवार को नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने इसे लेकर विभिन्न विभागों के साथ बैठक की। मंत्री ने कहा कि जल निगम, बीएसएनएल, पीडब्ल्यूडी, ऊर्जा विभाग, वन विभाग या अन्य विभाग नगरीय क्षेत्र में कोई भी कार्य प्रारंभ करने से पहले इस पोर्टल पर आवेदन करेंगे। आवेदन के साथ उन्हें यूजर चार्ज जमा करना होगा। कार्य पूर्ण होने के बाद, यह सुनिश्चित करना होगा।

आगरा, मेरठ और गोरखपुर ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

लखनऊ, (संवाददाता)। आगरा ने 29वीं राज्य सब जूनियर बास्केटबॉल चौंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में गौतमबुद्धनगर को रोमांचक मुकाबले में 51–35 अंक से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनीं। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के इंडोर हॉल में आयोजित चौंपियनशिप के दूसरे क्वार्टर फाइनल में मेरठ ने जीत दर्ज की। टीम ने 47–11 के बड़े अंतर से पराजित किया। प्रतियोगिता में देर शाम खेले गए तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में गोरखपुर ने प्रयागराज को 48–30 से मात देते हुए अंतिम चार में जगह बनाई। चौंपियनशिप के पहले क्वार्टर फाइनल में मध्यांतर तक दोनों ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई जिसके चलते मध्यांतर तक आगरा ने 29–21 से बढ़त बनाई।

दयाल ग्रुप के चेयरमैन राजेश सिंह दयाल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजसेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने विशेष योगदान के लिए श्यूपी के मेडिसिन मैनश कहे जाने वाले राजेश सिंह दयाल, चेयरमैन, दयाल बिजनेस ग्रुप, ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक अनोखी पहल की। उन्होंने राजेश सिंह दयाल फाउंडेशन के माध्यम से आज लखनऊ जेल में कैदियों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ माननीय कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर डीजी जेल प्रेम चंद मीणा और जेल अधीक्षक आरके जायसवाल भी उपस्थित रहे। इस स्वास्थ्य शिविर में कैदियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, विभिन्न स्वास्थ्य जांच और निरूशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही सभी कैदियों को फल भी वितरित किए गए। मुख्य अतिथि दारा सिंह चौहान ने राजेश सिंह दयाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा, ष्दयाल जी ने अब तक उत्तर प्रदेश के लगभग 2 लाख लोगों को निरूशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई हैं तथा 50,000 से अधिक वृद्धजनों की मोतियाबिंद सर्जरी करवा चुके हैं। यह कार्य अत्यंत प्रेरणादायी है।ष उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार जेलों में हेल्थ एटीएम और बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ स्थापित करने पर गंभीरता से काम कर रही है। श्री चौहान ने विशेष रूप से यह कहते हुए शुभकामनाएं दीं कि ष्दयाल जी ने अपना जन्मदिन कैदियों के बीच मना कर यह सिद्ध किया है कि सच्ची समाजसेवा वही है, जो हर

वर्ग तक बिना भेदभाव पहुंचे। अपने संबोधन में राजेश सिंह दयाल ने कहा, ष्आज का यह मेडिकल कैम्प सिर्फ दवाइयों और जांच तक सीमित नहीं है। यह एक संदेश है कि आप अकेले नहीं हैं। समाज ने आपको भुलाया नहीं है और सबसे अहम, आप फिर से एक नई शुरुआत कर सकते हैं। अपराध से नफरत हो सकती है, पर इंसान से नहीं। हर इंसान को दूसरा मौका मिलना चाहिए। यदि आप बदलने का संकल्प लें तो दुनिया की कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती। यह मेरे जीवन का सबसे विशेष जन्मदिन है क्योंकि मैंने इसे समाज के उस हिस्से के साथ बिताया है, जिनकी तरफ शायद ही कोई ध्यान देता है। मेरा संकल्प है कि आने वाले महीनों में मैं उत्तर प्रदेश की अन्य जेलों में भी इसी प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करूंगा। डीजी जेल प्रेम चंद मीणा ने कहा कि दयाल का यह प्रयास समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता का प्रमाण है। जेल अधीक्षक आरके जायसवाल ने कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया और विशेष रूप से उल्लेख किया कि कैदियों के बीच जन्मदिन मना कर राजेश सिंह दयाल जी ने यह साबित कर दिया है कि उनकी समाजसेवा किसी भेदभाव से परे है और हर वर्ग तक पहुंचने वाली है। दयाल ग्रुप ऑफ कंपनीज एक बहुआयामी समूह है जो रियल एस्टेट, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूवी प्रोडक्शन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत है। समूह ने हमेशा सामाजिक जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी है और समय–समय पर जनसेवा और कल्याणकारी पहल करके समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संक्षिप्त खबरें

एआरटीओ कार्यालय बाराबंकी का आरीटीओ अयोध्या द्वारा किया गया औचक निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह ने एआरटीओ कार्यालय बाराबंकी का औचक निरीक्षण कर ष्नो हेल्मेट नो पेट्रोलष अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया।मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाये जा रहे इस अभियान के संबंध लोगों को जागरूक करते हुए चालान की कार्यवाही करें तथा जिला आपूर्ति विभाग, पुलिस विभाग व जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करते हुए इसे और अधिक प्रभावी बनायें।निरीक्षण के दौरान कार्यालय में आयें हुए आवेदकों से बात की गयी व साफ–सफाई पर संतोष व्यक्त किया गया। कार्यालय में सड़क सुरक्षा संबंधी बैनर लगे पाये गये। बकाया वसूली पर असंतोष व्यक्त करते हुए बकाया वाहनों, अनफिट वाहनों व बिना परमिट वाहनों पर प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये। परमिट समाप्त व अथराइजेशन समाप्त वाहनों के संबंध में आरटीओ कार्यालय अयोध्या से नोटिस प्रेषित करते हुए उनकी सूची एआरटीओ प्रदान करते हुए निर्देशित किया गया कि ऐसे वाहनों के वाहन स्वामियों से दूरभाष पर संपर्क कर तथा प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए ऐसे सभी वाहनों को परमिट से आच्छादित करायें।इस अवसर पर आरटीओ द्वारा राहवीर योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने पर 25000 रू. की प्रोत्साहन राशि के रूप में राहवीर योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा दिये जाने का प्रावधान है। अतः लोगो से अपील है कि निःसंकोच होकर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डेन आवर में अस्पताल पहुँचाकर जीवनदान में सहयोग करें।निरीक्षण के दौरान आरआई बलवंत यादव की कार्यशैली पर रोष व्यक्त करते हुए डीएल व फिटनेस की प्रक्रिया में सभी मानको व नियमों का कड़ाई से अनुपालन के निर्देश भी दिये गये। वाहनों के पंजीयन विशेषकर बसो, स्लीपर बसों और भारी माल वाहनों के पंजीयन में मानको के आधार पर बारीकी से परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त शासन के योजनाओं व निर्देशों का परिवहन विभाग के आफिशिएल सोशल मीडिया व परिवहन विभाग के चौटबाट के माध्यम से प्रचार–प्रसार करने के निर्देश भी दिये गये।निरीक्षण के दौरान एआरटीओ अंकिता शुक्ला,आरआई बलवंत यादव व कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहें।

कल्याण सिंह अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान : आधुनिक सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ कैंसर उपचार में उच्च मानक स्थापित

लखनऊ, (संवाददाता)। कल्याण सिंह अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान अपने विश्वस्तरीय मशीनों, योग्य चिकित्सकों और उच्च स्तरीय सुविधाओं के माध्यम से कैंसर रोगियों के उपचार में नई ऊँचाइयाँ स्थापित कर रहा है। संस्थान की लोकप्रियता बढ़ने के साथ ही अब दूर–दराज के क्षेत्रों से भी मरीज यहां उपचार के लिए आ रहे हैं। यह जानकारी संस्थान के निदेशक प्रो. मदन लाल ब्रह्म भट्ट ने आज संस्थान में आयोजित प्रेसवार्ता में दी।उन्होंने बताया कि संस्थान में सप्ताह में छह दिन ओपीडी सेवाएं संचालित हो रही हैं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 400 मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। सभी संकाय विभाग सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। संस्थान में वर्तमान में 280 इन्डोर बेड संचालित हैं, जिसे शीघ्र ही 500 कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त आठ ऑपरेशन थिएटरों के माध्यम से प्रति सप्ताह औसतन 12 से 15 सर्जरी की जा रही हैं।प्रो. भट्ट ने कहा कि संस्थान की कार्यक्षमता में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में विशेषज्ञ चिकित्सकों और कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है और उच्च वैश्विक तकनीक पर आधारित अत्याधुनिक मशीनों की खरीद की गई है। इनमें प्रमुख मशीनें साइबर नाइफ, पेट सीटी, ब्रेकीथेरेपी, डिजिटल रेडियोग्राफी, यूएसजी मशीन और लगभग 5.5 करोड़ की लागत से डिजिटल मेमोग्राफी यूनिट शामिल हैं। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही टेमोथेरेपी, डिजिटल पैथालॉजी और न्यूरोसर्जिकल माइक्रोस्कोप जैसी मशीनों की भी खरीद की जाएगी।संस्थान में विश्वस्तरीय ब्लड बैंक की स्थापना भी की गई है। निदेशक ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में चार नए विभागों के संचालन के लिए मान्यता प्राप्त की गई है, और शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईआईटी जैसे संस्थानों के साथ 11 एमओयू हस्ताक्षरित किए गए हैं। उन्होंने मीडिया और जनता से अपील करते हुए कहा कि संस्थान की सुविधाओं से अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हों, इसके लिए उन्हें सुलभ और किफायती उपचार की जानकारी दें।प्रो. भट्ट ने यह भी बताया कि संस्थान में प्रधानमंत्री राहत कोष, मुख्यमंत्री राहत कोष, आयुष्मान भारत योजना, आसाध्य रोग योजना और पं. दीनदयाल कैशलेस योजना के तहत हजारों मरीज लाभान्वित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने वाराणसी में ऑटो

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से वाराणसी में चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में ऑटो, टैक्सी और बस चालकों को पर्यटन सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा संचालित किया गया।कार्यक्रम में लगभग 310 चालकों ने हिस्सा लिया, जिनमें 19 महिला चालक भी शामिल थीं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ऑटो, टैक्सी और बस चालक पर्यटकों के लिए सारथी की भूमिका निभाते हैं और ऐसे प्रशिक्षण से उनकी सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा। यह पहल वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक सुनियोजित प्रयास है। उन्होंने बताया कि जुलाई माह में संत रविदास मंदिर, राजघाट में नाविकों को भी इसी प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया था।प्रशिक्षण में चालकों को पर्यटकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार, स्वच्छता, सुरक्षा और शहर की सांस्कृतिक एवं धार्मिक धरोहर के बारे में जानकारी दी गई। स्टोरीटेलिंग यानी कहानियां सुनाने की कला के माध्यम से पर्यटकों के अनुभव को यादगार बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। चालकों को वाराणसी से जुड़ी रोचक कहानियों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का मार्गदर्शन दिया गया।इसके अलावा, प्रशिक्षकों ने चालकों को आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार और सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) जैसी तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी दी, जिससे किसी की जान बचाई जा सके। सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों का पालन, सुरक्षित ड्राइविंग के उपाय और डिजिटल लेन–देन व धोखाधड़ी से बचाव पर भी ध्यान दिया गया। चालकों को यूपीआई और अन्य ऑनलाइन भुगतान के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें वाराणसी के प्रमुख पर्यटन स्थलों, सामान्य पर्यटन संवेदनशीलता और व्यक्तित्व विकास से संबंधित जानकारी भी साझा की गई।प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि वाराणसी और आसपास के जिलों में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। घरेलू श्रद्धालुओं से लेकर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों तक, सभी की अपेक्षाएं बढ़ी हैं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम सुनिश्चित करते हैं कि पर्यटक सुरक्षित और यादगार यात्रा अनुभव लेकर जाएँ। उन्होंने बताया कि काशी में धार्मिक पर्यटन निरंतर बढ़ रहा है और श्रद्धालुओं की संख्या करोड़ों में पहुंच चुकी है।कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की पहलरू `सुगम पोर्टल' से शहरी विकास कार्य होंगे पारदर्शी और निर्बाध

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की पहल पर नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न विभागों के कार्यों को सुचारु और पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित करने के लिए 'सुगम पोर्टल' विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से विभागीय कार्यों के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान से बचाया जाएगा और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।नगर विकास मंत्री की उपस्थिति में लखनऊ स्थित संगम सभागार में विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंत्री ने कहा कि ई–गवर्नेंस के माध्यम से तकनीक का प्रभावी उपयोग कर परियोजनाओं को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा। सुगम पोर्टल विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करेगा और आम नागरिकों को राहत देगा।इस पोर्टल के माध्यम से जल निगम, बीएसएनएल, पीडब्ल्यूडी, ऊर्जा विभाग, वन विभाग और अन्य विभाग किसी भी नगरीय क्षेत्र में कार्य प्रारंभ करने से पहले आवेदन करेंगे और इसके साथ यूजर चार्ज जमा करेंगे। कार्य पूर्ण होने के बाद यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी अन्य विभाग की परिसंपत्तियों को कोई नुकसान नहीं हुआ है या यदि नुकसान हुआ है तो उसे रिपेयर करके पूर्ववत किया गया है। इसके बाद जमा राशि वापस कर दी जाएगी।नगर विकास मंत्री ने बताया कि अक्सर एक विभाग का कार्य दूसरे विभाग की परिसंपत्तियों को प्रभावित करता है, जैसे ऊर्जा विभाग द्वारा तार लगाते समय दूरसंचार विभाग की लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं या जल निगम के कार्य से सड़कें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। इसी प्रकार पीडब्ल्यूडी द्वारा रोड निर्माण के दौरान अंडरग्राउंड बिजली लाइनों को नुकसान पहुँच सकता है। सुगम पोर्टल लागू होने के बाद इस तरह की समस्याओं पर अंकुश लगेगा और विभागीय समन्वय में सुधार होगा। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा के नेतृत्व में यह कदम शहरी अवसंरचना के क्षेत्र में बड़ी तकनीकी उपलब्धि साबित होगा। इसके माध्यम से विभागीय समन्वय के साथ विकास कार्यों को गति मिलेगी और आम नागरिकों को सीधे लाभ मिलेगा। यह पहल प्रदेश में पहली बार लागू की जा रही है।निदेशक नगरीय निकाय अनुज झा ने बताया कि पोर्टल म्युनिस्पलिटी एक्ट के प्रावधानों के अंतर्गत कार्य करेगा। पोर्टल पर आवेदन होते ही संबंधित सभी विभागों को मैसेज अलर्ट भेजा जाएगा, जिससे वे क्षेत्र विशेष में होने वाले कार्य की जानकारी रख सकेंगे और अपनी विभागीय संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकेंगे। कार्य पूर्ण होने के बाद सभी संबंधित विभागों के अधिकारी सामूहिक निरीक्षण करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कार्य के दौरान किसी अन्य विभाग को कोई नुकसान नहीं हुआ और रेस्टोरेशन कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न हुआ।इस बैठक में विद्युत विभाग, जल निगम, नगरीय निकाय, बीएसएनएल, पीडब्ल्यूडी और गेल के अधिकारी व्यक्तिगत और वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे। यह पहल नगर विकास कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

उत्तर प्रदेश में सेवा पर्व एवं आदिकर्मयोगी अभियान की तैयारियों की समीक्षा बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। वन एवं वन्यजीव विभाग के मुख्यालय अरण्य भवन स्थित पारिजात कक्ष में उत्तर प्रदेश के वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा. अरूण कुमार सक्सेना और के.पी. मलिक ने प्रदेश में 17 सितम्बर, 2025 से 2 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित होने वाले सेवा पर्व एवं आदिकर्मयोगी अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में 17 जुलाई, 2025 से ग्रीन चौपाल के संचालन, विभाग की प्रमुख योजनाओं जैसे कुकरैल नाईट सफारी, रेस्क्यू सेंटर, वन्य प्राणी सप्ताह 2025, लंबित आई.जी.आर.एस. संदर्भ और ऑफलाइन प्राप्त मुख्यमंत्री संदर्भों पर भी चर्चा की गई।मंत्रियों ने प्रदेश के समस्त जनपदों में व्यापक जनसहभागिता और सहयोग के माध्यम से इस अभियान के दौरान 15 लाख पौधों के वितरण और रोपण का निर्देश दिया। इस दौरान देशज प्रजातियों के रोपण को प्राथमिकता देने का विशेष महत्व रखा गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि स्वयंसेवी संगठन, सिविल सोसाइटी, महिलाएं, विद्यार्थी और समस्त प्रदेशवासियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही दक्षता निर्माण, स्वच्छता अभियान, पॉलिथीन हटाना, कार सेवा, जन जागरूकता, घास–फूस हटाना और सामुदायिक वृक्षारोपण जैसे कार्य शामिल किए जाएंगे।आदिकर्मयोगी अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सात जनजातिय बाहुल्य जिलों में स्थानीय प्रजातियों जैसे महुआ, बेल और चिरौंजी का रोपण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त मंत्रियों ने वृक्षारोपण हेतु ऐतिहासिक और नए स्थलों के चयन, विधायक निधि से ट्री गार्ड हेतु धनराशि प्राप्ति और ग्रीन चौपाल के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

केनस्टार ने उतारे नए 5–स्टार वॉटर हीटर्स, बीस प्रतिशत ज़्यादा गर्म पानी के साथ तेज हीटिंग का वादा

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

नई दिल्ली । भारत के सबसे भरोसेमंद होम अप्लायंसेज ब्रांड्स में से एक केनस्टार ने वॉटर हीटर्स की अपनी नई रेंज लॉन्च की है। आधुनिक भारतीय घरों के लिए डिजाइन किए गए ये वॉटर हीटर्स न सिर्फ पानी को तेजी से गरम करते हैं, बल्कि ज़्यादा आउटपुट देते हैं और बिजली की बचत भी सुनिश्चित करते हैं। इस तरह उपभोक्ताओं को सम्ध्पूर्ण स्ध्नान का एक संतोषजनक और अनुभव मिलता है। लॉन्च के साथ ही

केनस्टार ने अपना नया कैंपेन "बाथ बन जाए" पेश किया है। यह कैंपेन उस आम परेशानी पर ध्यान दिलाता है जब पारंपरिक वॉटर हीटर से पानी कम पड़ जाता है और नहाना अधूरा रह जाता है। केनस्टार के नए वॉटर हीटर इस कमी को दूर करते हुए हर स्ध्नान को पूरा और आनंददायक बनाते हैं। नई रेंज स्वर्ल हीट टेक्नोलॉजी से लैस है, जो 20 प्रतिशत ज़्यादा गर्म पानी देती है। हाई डेन्सिटी पफ इन्सुलेशन की वजह से गर्माहट 10 प्रतिशत अधिक समय तक बनी रहती है और बिजली की खपत कम होती है। वहीं जर्मन ब्लू सफायर टेक्नोलॉजी हीटर के जीवनकाल को 40 प्रतिशत तक बढ़ाकर इसे और टिकाऊ बनाती है। पूरी रेंज 5–स्टार बीईई रेटिंग के साथ आती है, जिससे बिजली के बिल में भी अच्छी बचत होती है। उपभोक्ताओं के भरोसे के लिए कंपनी 7 साल की टैंक वारंटी भी दे रही है। इस अवसर पर केनस्टार के सीईओ श्री सुनील जैन ने कहा, "हमारा उद्देश्य हमेशा से भारतीय घरों की जिंदगी को स्मार्ट, स्टाइलिश और टिकाऊ होम सॉल्यूशंस के जरिए बेहतर बनाना रहा है। नई वॉटर हीटर श्रृंखला के साथ हम अपना यह वादा निभा रहे हैं दृ 'तेज गर्माहट, लंबे समय तक भरोसेमंद साथ। यह श्रृंखला उपभोक्ताओं की मुख्य जरूरतों जैसे तेज गर्म पानी, ऊर्जा की बचत और सुरक्षा पर अपना ध्यान केन्द्रित करती है। साथ ही डिजाइन और परफॉर्मेंस के मामले में नए मानक स्थापित करती है।

समग्र शिक्षा की विज्ञान प्रदर्शनी से आर्य कन्या पाठशाला की छात्राओं ने दिखाई विज्ञान की नई दुनियां

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय).आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज, बादशाहनगर लखनऊ की प्रधानाचार्या डॉ ममता किरन राव के उचित मार्गदर्शन में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत विद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 6 से 12 तक की समस्त आयु वर्ग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि डी. आई. ओ. एस लखनऊ राकेश कुमार पांडेय एवं विशिष्ट अतिथि विद्यालय के प्राधिकृत नियंत्रक व विज्ञान प्रगति अधिकारी

डॉ दिनेश कुमार ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया

विद्यालय के प्राधिकृत नियन्त्रक व मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार के द्वारा एक एक छात्रा के वैज्ञानिक मॉडल को बारीकी से अवलोकन करते हुए उनमें विज्ञान के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने की प्रेरणा दी गयी। इस अवसर पर कक्षा 6–12 तक की छात्राओं ने विज्ञान से संबंधित विभिन्न नवाचारी मॉडलों एवं प्रयोगों का प्रदर्शन कर के प्रतिभा दिखाई। सीनियर संवर्ग में स्थिर मॉडल में प्रथम स्थान परी राजपूत को कोकोनट हस्क मॉडल, द्वितीय स्थान रिया कनौजिया मैजिकल फार्मिंग एवं तृतीय स्थान ग्लोबल क्लाइमेट चेंज अर्चना शर्मा तथा क्रियाशील मॉडल में प्रथम स्थान पलक श्रीवास्तव के एनर्जी जेनेरेटर,द्वितीय स्थान अंजलि कुमारी के एयर एंड वॉटर प्यूरीफिकेशन तथा तृतीय स्थान ऑटोमेटिक व्हीकल एक्सीडेंट डिटेक्शन सिस्टम निहारिका जोशी को प्राप्त हुआ ।

संक्षिप्त खबरें

दुर्गा पूजा के पहले दिन से ही भक्तों को मिलेगा कोयंबटूर के आदियोगी की झांकी का दर्शन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।श्री राम जानकी मंदिर फतेहगंज में आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है । नवयुवक क्रांतिकारी संघ सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में होने वाले श्री श्री शारदीय दुर्गा पूजा महोत्सव का यह 53वा वर्ष है ।संघ के वरिष्ठ अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि इस बार तमिलनाडु के शहर कोयंबटूर स्थित आदियोगी की तर्ज पर विशालकाय प्रतिमा की झांकी सजाई जा रही है ।बाहरी कलाकारों द्वारा झांकी की सजावट की जा रही है । इसके अलावा पहाड़, झरने, गुफा भी झांकी में बनाये जा रहे है साथ में महाकाल, पशुपतिनाथ की भव्य प्रतिमा व महिषासुर मर्दिनी के दरबार के साथ और कई झांकियां भी सजाई जाएगी ।झांकी के दर्शन 22 सितंबर से प्रारंभ हो जाएगा ।जिसमें श्रद्धालु प्रथम दिन से ही झांकियों का दर्शन कर सकेंगे ।नवयुवक क्रांतिकारी संघ सेवा ट्रस्ट फतेहगंज के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण दुर्गा पूजा की तैयारी मैं जोर शोर से लगे है ।

नए सीएमओ डॉ. भावनाथ पांडेय ने संभाली जिले की कमान

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

हरदोई में नए मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) के रूप में डॉ. भावनाथ पांडेय ने पदभार ग्रहण कर लिया। डॉ. भावनाथ पांडेय कुशीनगर में अपनी स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे थे, जिसके बाद अब उन्हें हरदोई का दायित्व सौंपा गया है। स्वास्थ्य सेवाओं में उनके अनुभव को देखते हुए विभाग को उम्मीद है कि जिले की चिकित्सा व्यवस्थाओं में और सुधार आएगा। चार्ज लेने के बाद सीएमओ ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएमओ ने कहा कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और साफ–सफाई की व्यवस्था दुरुस्त करना उनकी पहली कार्ययोजना का हिस्सा रहेगा। साथ ही हर अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र का नियमित निरीक्षण भी किया जाएगा।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने पैदल गस्त कर शहर वासियो को कराया सुरक्षा का एहसास

अयोध्या ।एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के पर्यवेक्षण व सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के नेतृत्व मे शुक्रवार को महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने उप निरीक्षक संजीव मिश्रा व महिला थाना मे तैनात पुलिस कर्मियों के साथ पैदल गस्त व वाहन चेकिंग अभियान चलाया ।टीम मे शामिल पुलिस कर्मियों ने शहर वासियो को सुरक्षा के प्रति एहसास कराया ।शुक्रवार को शहर के कई मार्गो तथा पंडालों पर जाकर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला व उनकी टीम ने पैदल गस्त किया तथा कई मुहल्ले मे जाकर निरीक्षण किया ।वहीं इसी कड़ी में उन्होंने वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जहां पर कुछ वाहन चालक बिना कागजात के पाए गए ।खासकर उन वाहन चालकों को उन्होंने समझाया कि 1 सितंबर से हेलमेट लगाकर ही वाहन चलाएं नहीं तो बिना हेलमेट के पेट्रोल डीजल नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि आप पुलिस के डर से हेलमेट न लगाकर अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाए क्योंकि पुलिस सिर्फ आपसे जुर्माना वसूल सकती है ।लेकिन अगर आपके साथ कोई अनहोनी होती है तो आपके साथ–साथ आपका परिवार भी संकट में पड़ेगा इसलिए आप पुलिस के डर न बल्कि अपनी सुरक्षा को लेकर हेलमेट लगाए ।इस दौरान उप निरीक्षक संजीव मिश्रा, उप निरीक्षक सोनी, उप निरीक्षक चेतना,प्रिया सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रही।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन 16 सितंबर को मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्री ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपेगा

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ । ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन 16 सितंबर को मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन हर जनपद में जिलाधिकारी को सौंपेगा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन से संबद्ध पत्रकार प्रदेश के सुदूर अंचलों में आम जनमानस की समस्याओं को उठाने और शासन–प्रशासन तक पहुंचाने तथा शासन की विकासोन्मुख प्राथमिकताओं को अपने अपने अखबार के माध्यम से ग्रामीणों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं, तथा कठिन परिस्थितियों में भी ग्रामीण पत्रकारिता को लोकतंत्र की सशक्त धारा को बनाए रखने में अग्रणी भूमिका निभा रहे है। ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं और उनके कल्याण से जुड़ी मांगों पर शासन स्तर से गंभीरता से विचार कर आवश्यक निर्णय लिया जाना नितांत आवश्यक हो गया है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव एवं महामंत्री आर एल पाण्डेय ने बताया कि ज्ञापन में मांग है कि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के लिए राज्य मुख्यालय लखनऊ में शासन की ओर से,अन्य संगठनों की भांति कार्यालय हेतु भवन का आवंटन दारुलसफा या ओसीआर में किया जाए। जिससे सुदूर जनपदों से आने वाले पत्रकारों को रुकने तथा प्रदेश स्तरीय बैठके करने की समस्या का निदान हो सके । मान्यता–प्राप्त पत्रकारों की तरह ही ग्रामीण पत्रकारों को भी आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाए, ताकि वह और उनका परिवार मुफ्त कैशलेश इलाज करा सके। इस योजना में केवल अखबारों में कार्यरत संवाददाताओं को शामिल किया जाए, जिनकी सूची जिला सूचना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। ग्रामीण पत्रकारों को शासन स्तर से बीमा योजना में शामिल किया जाए। साथ ही लंबे समय से आंचलिक पत्रकारिता कर रहे60 वर्षीय बुजुर्ग ग्रामीण पत्रकारों को पेंशन योजना का लाभ दिया जाए। इनकी सूची भी जिला सूचना कार्यालय के माध्यम से तैयार की जाए। ग्रामीण पत्रकारों के विरुद्ध कोई भी प्राथमिकी दर्ज करने से पूर्व जिला पुलिस के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अनिवार्य रूप से जांच की जाए, ताकि पत्रकारों का अनावश्यक उत्पीड़न रोका जा सके। राज्य एवं जिला स्तर पर स्थायी समिति की भांति तहसील स्तर पर भी प्रशासनिक अफसरों के साथ ग्रामीण पत्रकारों की नियमित बैठकें कराई जाएं। शासन के निर्देशानुसार ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सभी संबंधित तहसील अध्यक्षों को इसमें अनिवार्य रूप से शामिल किया जाय। प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में मृत ग्रामीण पत्रकार के परिजनों को किसान बीमा योजना की तरह तत्काल पाँच लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाए। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाए, ताकि शोकग्रस्त परिवार को संकट की घड़ी में सहारा मिल सके ।इसकी सूची भी जिला सूचना कार्यालय से तैयार की जाए ।

ओलेक्स पर फर्जी आईडी बनाकर साइबर फ्राड करने वाले चार अभियुक्त गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,12 सितंबर। पुलिस ने ऑनलाइन फर्जी तरीके से फ्लैट और कमरा बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है ।मामले का गुरुवार को खुलासा करते हुए साइबर सीओ शुभम वर्मा के ने बताया कि आरोपी फोटोशॉप से फर्जी आधार कार्ड बनाते थे। वे फर्जी सिम का इस्तेमाल कर ऑनलाइन पर आईडी बनाते थे। आरोपी फ्लैट या कमरा दिखाने के नाम पर 1000 रुपये की रजिस्ट्रेशन फीस मांगते थे। पैसों के लिए जनसेवा केंद्र या आसपास के दुकानदारों के न्च्प् नंबर और फत् कोड का इस्तेमाल करते थे। पैसे मिलते ही कस्टमर को ब्लॉक कर देते थे। इस तरह से अब तक हजारों लोगों से करीब 10 लाख रुपये की ठगी की गई है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में 15 साइबर ठगी के मामले दर्ज हैं। फर्जी सिम के लिए एक च्ै एजेंट रामदास का सहयोग लेते थे। वह ग्राहकों से दो बार अंगूठा लगवाकर दो सिम जारी करता था। एक सिम ग्राहक को देता था और दूसरा सिम ठगी में इस्तेमाल होता था। गुरुवार को जौनपुर के साइबर क्राइम थाने की पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक महेश पाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने चांदपुर विश्वनाथ कोल्ड स्टोरेज के पास से आरोपियों को पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों से साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए हैं।

संक्षिप्त खबरें

एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों व कोच का किया सम्मान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। हाल ही में सम्पन्न हुई स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता में अयोध्या जिले ने गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की ।अयोध्या के प्रतिभाशाली शूटर राजेंद्र गुप्ता ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर न केवल जिले बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया ।इस प्रतियोगिता में जिला रायफल क्लब अयोध्या के कुल 54 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 49 खिलाड़ी प्री–नेशनल के लिए क्वालीफाई हुए। यह अयोध्या जिले के लिए ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है, क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर खिलाड़ियों का क्वालीफाई होना पहली बार हुआ है ।कोच शनि कुमार वर्मा ने बताया कि श्री गुप्ता सहित कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। विशेषकर राजेंद्र गुप्ता द्वारा जीता गया मेडल डीएम अयोध्या, जिला रायफल क्लब अयोध्या और कोचिंग टीम के लिए सम्मान की बात है ।इस अवसर पर एडीएम प्रशासन अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों और कोच का सम्मान किया ।उन्होंने कहा कि ष्कोच की कड़ी मेहनत और खिलाड़ियों के अनुशासित अभ्यास से ही यह संभव हो पाया है। आने वाले समय में अयोध्या के खिलाड़ी और भी ऊँचाइयाँ हासिल करेंगे।

मॉरीशस के पीएम के दौरे को लेकर चप्पे चप्पे पर तैनात रहे सुरक्षाकर्मी

अयोध्या ।शुक्रवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉक्टर नवीन चंद्र राम गुलाम के साथ प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने रामलला का विधि विधान सहित दर्शन पूजन किया ।इस दौरान सुबह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई मंत्री व अधिकारी मौजूद रहे ।वहीं सुरक्षा व्यवस्था के चलते वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लेकर राम जन्मभूमि मंदिर परिसर तक चप्पे चप्पे पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रही ।जिसके चलते दूरदराज से रामलला का दर्शन पूजन करने आने वाले श्रद्धालुओं को भी कुछ देर तक असुविधा का सामना करना पड़ा ।बताते चले बाल वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नाका बाईपास, देवकाली बाईपास, भवदीय स्कूल के सामने, चूड़ामणि चौराहा,टेढ़ी बाजार के साथ–साथ वे सभी चौराहों तथा मार्गो पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे जो राम जन्मभूमि मंदिर परिसर को जाने वाले मार्ग थे ।उनके आने से एक घंटा पूर्व ही इन चौराहों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम देखे गए और जगह–जगह पर बैरियर लगे हुए थे ।जिसके चलते महाराष्ट्र, दिल्ली सहित अन्य प्रमुख प्रांतों से आए श्रद्धालुओं को उस समय असुविधा का सामना करना पड़ा जब वे घंटों इस सुरक्षा चक्र में फंसे रहे ।चूड़ामणि चौराहा पर बाइक से महिला मरीज का इलाज कराने के लिए अस्पताल जा रहे बाइक सवार से कुछ सुरक्षा कर्मी उलझते हुए नजर आए ।जिसे गंभीरता से लेते हुए निरीक्षक सुमित श्रीवास्तव व थाना रौनाही पर तैनात उप निरीक्षक विजेंद्र मिश्रा ने उन सुरक्षा कर्मियों को फटकार लगाते हुए मरीज को अस्पताल के लिए जाने दिया ।थोड़ी देर के लिए इन प्रमुख चौराहों पर भारी संख्या में दो पहिया हुआ चार पहिया वाहनों की लंबी जाम लग गई जो घंटे तक बनी रही।

अनुराग कश्यप, ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो पहुँचे लखनऊके प्रतिभा थिएटर, निशानची का किया प्रमोशन

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय). अपनी दमदार और बोल्ड स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप अब अपनी सबसे ज्यादा इंतेजार की जाने वाली फिल्म निशानची के प्रमोशन में जुट चुके हैं। चेन्नई के बाद अब अनुराग लीड कास्ट ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो के साथ नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे हैं। यहाँ टीम ने पोस्टर लॉन्च कर निशानची का प्रमोशन शहर के मशहूर प्रतिभा थिएटर में किया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों का जोश और भी बढ़ गया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज के बाद से ही चर्चा का विषय बना हुआ है और अब प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊ पहुंची टीम ने दर्शकों से सीधा जुड़ाव बनाया। अनुराग कश्यप, ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो की मौजूदगी ने थिएटर का माहौल और भी खास बना दिया। निशानची के इस प्रमोशनल टूर ने साबित कर दिया है कि फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर रही है। अमेजन डळड स्टूडियो द्वारा रिलीज की जा रही इस फिल्म के साथ बेहद टैलेंटेड ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो बतौर लीड अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में दोनों एक्टर्स की परफॉर्मेंस बेहद कैची लगी है, साथ ही उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या सच में यह उनकी डेब्यू फिल्म है। इसके अलावा निशानची के साथ ऐश्वर्य सिर्फ एक्टिंग ही नहीं बल्कि बतौर सॉन्ग राइटर और कंपोजर भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। गाने का हुक लाइन ष्पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काईष् पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेजी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनता नजर आ रहा है। निशानची इस 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इससे पहले ही इंडस्ट्री में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा का माहौल बना हुआ है। ट्रेलर को न सिर्फ दर्शकों से सराहना मिल रही है बल्कि अमिताभ बच्चन, आयुष्मान खुराना जैसे कई बड़े नामों ने भी इसकी तारीफ की है। निशानची का देसी तड़का इसे देखने के लिए दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा रहा है। फिल्म की कहानी से लेकर म्यूजिक हर एक चीज बेजोड़ है। जहां, इसका म्यूजिक अपनी ताजगी और अलग अंदाज के कारण लोगों के दिल को छू रहा है। वहीं, ऐश्वर्य का डेब्यू फिल्म में उनके डबल रोल के कारण सबसे ज्यादा चर्चित डेब्यूज में से एक बन गया है। इसके साथ ही, फिल्म की एंसेंबल कास्ट इसे और भी दिलचस्प बना देती है, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं। अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है। फिल्म को प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने मिलकर लिखा है। एक्शन, ह्यूमर और ड्रामा से भरपूर यह मसाला एंटरटेनर 19 सितंबर 2025 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

श्रीरामलला के दरबार में मारीशस के प्रधानमंत्री डाक्टर नवीन चन्द्र रामगुलाम ने टेका मत्था

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

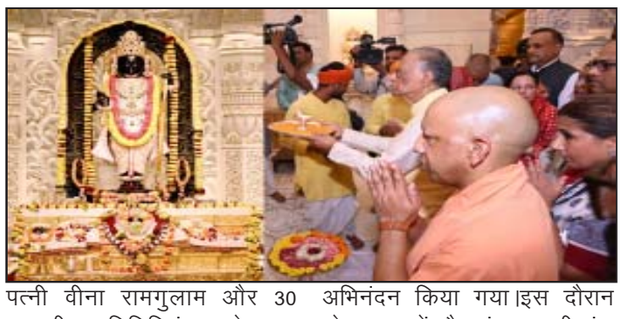

अयोध्या। प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या शुक्रवार को एक विशेष अवसर की साक्षी बनी,जब शुक्रवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम अपनी पत्नी वीना रामगुलाम और करीब 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां पहुंचे ।प्रधानमंत्री रामगुलाम ने सबसे पहले भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में पत्नी के साथ विधि–विधान से दर्शन–पूजन कर लोककल्याण की कामना की। वह भूटान के प्रधानमंत्री के बाद दूसरे राष्ट्राध्यक्ष बने। जिन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन–पूजन किए। दोपहर करीब 12 बजे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री अपनी पत्नी वीना रामगुलाम और 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे ।एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने प्रधानमंत्री का औपचारिक स्वागत किया। योगी ने फूलों का गुलदस्ता और स्मृति चिह्न भेंट कर 'अतिथि देवो भवः' की परंपरा निभाई। एयरपोर्ट परिसर में रेड कार्पेट बिछाकर, मंत्रोच्चारण और पारंपरिक कलश–आरती से प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया गया ।इस दौरान ढोल–नगाड़ों और शंखनाद की गूंज ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया ।एयरपोर्ट से निकलने के बाद प्रधानमंत्री का काफिला भारी सुरक्षा घेरे के बीच सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचा ।वहां उन्होंने पत्नी के साथ रामलला की आरती उतारी और लंबे समय तक प्रभु का दर्शन करते रहे। शीश नवाकर भगवान राम से दोनों देशों के रिश्तों की मजबूती का आशीर्वाद मांगा। करीब आधा घंटे तक परिसर में रहकर उन्होंने मंदिर निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान कई बार उनके मुख से "जय श्रीराम" के उद्घोष गूंजा ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री का यह दौरा भारत और मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक एकता का जीवंत प्रतीक है। वहीं, प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने भी अयोध्या की पवित्र धरती पर आने पर अपनी गहरी प्रसन्नता व्यक्त की और भगवान राम के प्रति आस्था प्रकट की ।राम मंदिर परिसर में प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए टाटा कंपनी की ओर से मंदिर निर्माण से जुड़ी एक विशेष लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।